प्रशस्ति-पत्र

भारतीय इतिहास एवं संस्कृति के मर्मज्ञ विद्वान् तथा दिग्विजयी सम्राट खारवेल पर कन्नड़ भाषा में प्रथम कृति के प्रणेता गवेषी विद्वान् आदरणीय श्री

जी ०८ा ह्मप्पा

को कलिंग सम्राट खारवेल की भावना स्मृति में प्रथम बार आयोजित खारवेल-महोत्सव

के शुभ अवसर पर उनकी विशिष्ट कृति सम्राट खारवेल के लिए बहुमान सम्मानित किया जाता है तथा उनकी स्मृति के ऋषभदेव प्रतिष्ठान नई दिल्ली द्वारा प्रवर्तित एक लाख रुपयों की राशि का प्रथम पुरस्कार एवं

'इतिहास रत्न'

का मानद अलंकरण पद्म भूषण माननीय श्री जानकी वल्लभ पटनायक (मुख्य मंत्री उड़ीसा सरकार) के कर कमलों द्वारा सादर समर्पित किया गया

स्वरूपचन्द जैन — अध्यक्ष

हृदयराज जैन — महासचिव

ऋषभदेव प्रतिष्ठान, नई दिल्ली

दिनांक १८ जनवरी १९९९

समारोह स्थल सूचना भवन, भुवनेश्वर (उड़ीसा)